TODAY'S ANALYSIS
(आज का विश्लेषण)
(12 April 2024)

अमेरिका, जापान और फिलीपींस के मध्य पहला 'त्रिपक्षीय शिखर सम्मेलन':

चर्चा में क्यों है?

- अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन ने गुरुवार (11 अप्रैल) को कहा कि जापान और फिलीपींस की रक्षा के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका की प्रतिबद्धताएं "दृढ़प्रतिज्ञ" बनी हुई है।
- उल्लेखनीय है कि यह बात उन्होंने चीन के साथ अपने अलग-अलग क्षेत्रीय विवादों में उलझे जापान और फिलीपींस के साथ अमेरिका के पहले 'त्रिपक्षीय शिखर सम्मेलन' के दौरान कही।

इस त्रिपक्षीय शिखर सम्मेलन की पृष्ठभूमि:

- उल्लेखनीय है कि जापान और फिलीपींस दोनों का चीन के साथ अलग-अलग क्षेत्रीय विवाद है, जापान के मामले में पूर्वी चीन सागर में सेनकाकू द्वीप समूह और फिलीपींस के मामले में दक्षिण चीन सागर के क्षेत्र।

- यह बैठक तब हो रही है जब यह क्षेत्र ताइवान और दक्षिण चीन सागर के प्रति चीन की आक्रामक मुद्रा के साथ-साथ उत्तर कोरिया के परमाणु उकसावों और रूस के साथ उसके बढ़ते संबंधों की अनिश्चितता से जूझ रहा है - ऐसी चिंताएं जिसने क्षेत्रीय सहयोगियों को अमेरिका के करीब ला दिया है।

फिलीपींस-चीन विवाद: शिखर सम्मेलन का केंद्र बिंदु

- उल्लेखनीय है कि फिलीपींस-चीन तनाव दूसरे 'थॉमस शॉल' पर केंद्रित है, जो फिलीपींस के पलावन द्वीप के तट से लगभग 200 किलोमीटर दूर है।

- 1990 के दशक में, फिलीपींस ने क्षेत्र पर अपने दावे में मदद करने के लिए, द्वितीय विश्व युद्ध के युग के एक पुराने नौसेना परिवहन जहाज को तट पर रोक दिया था। जहाज अब ज्यादातर जंग खाए हुए मलबे में तब्दील हो चुका है और इसे बारी-बारी से तैनात अपने नौसैनिकों द्वारा संचालित किया जाता है।
- इस बीच, अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता के फैसले की अवहेलना करते हुए, चीन अपने संप्रभु क्षेत्र के रूप में, जैसा कि वह दक्षिण चीन सागर के अधिकांश हिस्से पर करता है, उस शोल पर अपना दावा करता है, जो फिलीपींस के विशेष आर्थिक क्षेत्र में है।
- उल्लेखनीय है कि हाल की झड़प तब हुई जब फिलीपींस ने जहाज पर नौसैनिक बलों को फिर से आपूर्ति करने का प्रयास किया, लेकिन चीन के तट रक्षक जहाजों ने फिलीपींस की फिर से आपूर्ति करने वाली नौकाओं पर पानी की बौछारें की, जिसके परिणामस्वरूप फिलीपींस नाविक घायल हो गए और जहाजों को नुकसान हुआ।

फिलीपींस-चीनी तनाव पर अमेरिका की चेतावनी:

- फिलीपींस-चीनी तनाव का संदर्भ देते हुए, राष्ट्रपति बिडेन ने को कहा कि "दक्षिण चीन सागर में फिलीपीन विमान, जहाजों या सशस्त्र बलों पर कोई भी हमला 'हमारी पारस्परिक रक्षा संधि' को लागू करेगा"।

- उल्लेखनीय है कि 1951 में 'अमेरिका और फिलीपींस के बीच आपसी रक्षा संधि' - एशिया-प्रशांत में सबसे पुराना अमेरिकी समझौता - यह निर्धारित करता है कि यदि किसी तीसरे पक्ष द्वारा हमला किया जाता है तो दोनों पक्ष एक-दूसरे की रक्षा करने में मदद करेंगे।

फिलीपींस में आर्थिक गलियारे की विकास योजना:

- राष्ट्रपति बिडेन ने यह भी घोषणा की कि तीनों देश वैश्विक बुनियादी ढांचे के निवेश के लिए G7 साझेदारी के हिस्से के रूप में फिलीपींस में एक नया आर्थिक गलियारा शुरू कर रहे हैं जो देश में स्वच्छ ऊर्जा, बंदरगाह, कृषि और अन्य परियोजनाओं को विकसित करने में मदद करेगा।
- इस त्रिपक्षीय शिखर सम्मेलन में एक बड़ा आर्थिक घटक भी है जिसमें मेटा, यूपीएस और ग्रीनबियर एनर्जी सहित कई प्रमुख अमेरिकी-आधारित कंपनियां फिलीपींस में निवेश की घोषणा करने वाले हैं।

अमेरिकी 'इंडो-पैसिफिक गठबंधन निर्माण' के केंद्र में जापान:

- राष्ट्रपति बिडेन ने परमाणु सहित अपनी क्षमताओं की पूरी श्रृंखला का उपयोग करके जापान की रक्षा करने की अटूट अमेरिकी प्रतिबद्धता पर जोर दिया, और दोनों

नेताओं ने कहा कि अपनी रक्षा संरचना और क्षमताओं को बढ़ाने के लिए जापान के कदमों ने "अमेरिका-जापान सुरक्षा सहयोग का एक नया युग" शुरू किया है।

- उल्लेखनीय है कि जापान, राष्ट्रपति बिडेन के इंडो-पैसिफिक में गठबंधन निर्माण के केंद्र में रहा है।
- क्योंकि जापान ने हाल के वर्षों में देश की रक्षा नीति में महत्वपूर्ण बदलाव किया है और यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बीच यूक्रेन को निरंतर समर्थन प्रदान किया है। जापान ने 2037 तक रक्षा खर्च को जीडीपी के 2% तक बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई है और अपनी जवाबी हमला क्षमताओं को बढ़ाने के लिए अमेरिकी टॉमहॉक मिसाइलों का अधिग्रहण किया है।

'एशियाई विकास आउटलुक-अप्रैल 2024' और भारतीय अर्थव्यवस्था:

परिचय:

- एशियाई विकास बैंक (ADB) ने, मजबूत सार्वजनिक और निजी निवेश और मजबूत सेवा क्षेत्र द्वारा संचालित संवृद्धि के उपलक्ष्य में, चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (GDP) की वृद्धि का अनुमान 6.7% से बढ़ाकर 7% और वित्त वर्ष 2025-26 में 7.2% कर दिया है।
- हालांकि, 2024-25 का यह विकास अनुमान 2023-24 वित्तीय वर्ष के अनुमानित 7.6 प्रतिशत से कम है। वहीं एशियाई विकास बैंक ने पिछले साल दिसंबर में वित्त वर्ष 2024-25 में भारतीय अर्थव्यवस्था के 6.7 प्रतिशत विस्तार के अनुमान से अधिक है।

'एशियाई विकास आउटलुक' रिपोर्ट के भारत को लेकर प्रमुख निष्कर्ष:

- यह पूर्वानुमान 11 अप्रैल को जारी ADB के प्रमुख आर्थिक प्रकाशन, 'एशियाई विकास आउटलुक (ADO) अप्रैल 2024' के नवीनतम संस्करण का हिस्सा है।

- वित्त वर्ष 2024-25 में भारतीय विकास के लिए ट्रिगर:
  - ➢ केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा बुनियादी ढांचे के विकास पर उच्च पूंजीगत व्यय,
  - ➢ निजी कॉर्पोरेट निवेश में वृद्धि,
  - ➢ मजबूत सेवा क्षेत्र के प्रदर्शन और
  - ➢ उपभोक्ता विश्वास में सुधार से आएगा।
- वस्तुओं के निर्यात में सुधार और विनिर्माण उत्पादकता और कृषि उत्पादन में वृद्धि से वित्त वर्ष 2025-26 में विकास की गति बढ़ेगी।
- राजकोषीय समेकन करते हुए बुनियादी ढांचे के विकास को बढ़ावा देने और एक सक्षम कारोबारी माहौल प्रदान करने के भारत सरकार के प्रयासों से निर्यात बढ़ाने और भविष्य के विकास को बढ़ावा देने के लिए विनिर्माण प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

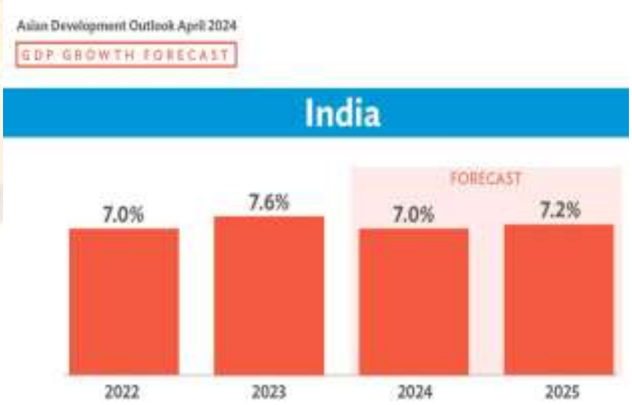

- भारत में मुद्रास्फीति: आउटलुक रिपोर्ट के अनुसार, ADB को उम्मीद है कि भारत में खुदरा मुद्रास्फीति इस साल कम होकर 4.6% और 2025-26 में 4.5% हो जाएगी। इस वर्ष कृषि उत्पादन सामान्य प्रवृत्ति पर लौटने के कारण भारत की खाद्य मुद्रास्फीति भी "लगातार" घटकर 5.7% होने की उम्मीद है।

- उल्लेखनीय है कि वित्त वर्ष 2024-25 के लिए ADB का विकास पूर्वानुमान भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) के हालिया अनुमानों के अनुरूप है। आरबीआई ने पिछले हफ्ते जारी अपने नवीनतम मौद्रिक नीति वक्तव्य में कहा था कि सामान्य मानसून की उम्मीद, मुद्रास्फीति के दबाव में कमी और विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों में निरंतर गति के कारण चालू वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 7 % रहने का अनुमान है।

भारत के आर्थिक परिदृश्य को लेकर सकारात्मक पक्ष:

- वित्त वर्ष 2024-25 के लिए सकल घरेलू उत्पाद के 5.1% और वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 4.5% के लक्षित घाटे के साथ राजकोषीय समेकन पर सरकार का ध्यान, सरकार को वित्त वर्ष 2024-25 में सकल विपणन उधार को सकल घरेलू उत्पाद के 0.9% तक कम करने और निजी क्षेत्र के ऋण के लिए और जगह बनाने में सक्षम करेगा।
- कड़ी वैश्विक वित्तीय स्थितियों के कारण निकट अवधि में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्रभावित होगा, लेकिन उद्योग और बुनियादी ढांचे के उच्च निवेश के साथ वित्त वर्ष 2025 में इसमें तेजी आएगी।

- वही निकट भविष्य में एफडीआई प्रवाह, विशेष रूप से विनिर्माण क्षेत्र में, उम्मीद से अधिक तेज होगा, जिससे उत्पादन के साथ-साथ उत्पादकता में भी सुधार होगा।
- इसमें कहा गया है, "उम्मीद से बेहतर वैश्विक वृद्धि निर्यात को बढ़ावा दे सकती है और इस प्रकार विकास को बढ़ावा मिल सकता है"।

भारत के आर्थिक परिदृश्य को लेकर चुनौतियां:

- एडीबी ने कहा कि उसके अनुमानों में कच्चे तेल और ऊर्जा की कीमतों में बढ़ोतरी जैसे वैश्विक झटकों से नकारात्मक जोखिम का सामना करना पड़ रहा है, जिससे वैश्विक मुद्रास्फीति में वृद्धि और वित्तीय स्थितियाँ कठोर होगी।
- घरेलू स्तर पर मांग को पूरा करने के लिए आयात बढ़ने से भारत का चालू खाता घाटा मामूली रूप से बढ़कर सकल घरेलू उत्पाद का 1.7% हो जाएगा।
- उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में कम वृद्धि से माल निर्यात भी प्रभावित होगा, लेकिन वैश्विक विकास में सुधार के साथ वित्त वर्ष 2025 में इसमें तेजी आएगी।

भारत में विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए लिए सुझाव:

- आउटलुक रिपोर्ट के अनुसार भारत को अपनी टैरिफ नीति को सरल बनाने, अपनी व्यापार प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं के साथ अपने

'सीमित' एकीकरण को दूर करने के लिए अधिक प्रयास करने की जरूरत है। यह विशेष रूप से इसके विनिर्माण क्षेत्र के लिए जरूरी है, जो मध्यम अवधि में विकास पथ को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है।

- एडीबी के अनुसार भारत की विकास रणनीति को पर्याप्त निर्यात वृद्धि पर आधारित होना चाहिए, जिससे 'वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं' में एकीकरण के माध्यम से हासिल किया जा सकता है।
- उल्लेखनीय है कि वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं (GVC) में एकीकृत होने के लिए भारत को उत्पादन के उन चरणों में विशेषज्ञता हासिल करनी चाहिए जहां उसे तुलनात्मक लाभ हो, न कि आवश्यक रूप से संपूर्ण मूल्य श्रृंखला में मौजूद रहना।
- ADB ने कहा कि ऐतिहासिक रूप से, भारत अत्यधिक एकीकृत GVC में बहुत कम जुड़ा रहा है।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

MCQ:

Q.1 हाल ही में चर्चा में रहे 'अमेरिका और फिलीपींस के बीच आपसी रक्षा संधि' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. 1948 में हस्ताक्षरित यह संधि एशिया-प्रशांत में सबसे पुराना अमेरिकी समझौता है।
2. यह निर्धारित करता है कि यदि किसी तीसरे पक्ष द्वारा हमला किया जाता है तो दोनों पक्ष एक-दूसरे की रक्षा करने में मदद करेंगे।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans:(b)

Q.2 हाल ही में चर्चा में रहे दक्षिण चीन सागर में स्थित 'पलावन द्वीप' किस देश का हिस्सा है?

(a) चीन का

(b) वियतनाम का

(c) मलेशिया का

(d) फिलीपींस का

Ans:(d)

Q.3 एशियाई विकास बैंक ने अपने हालिया 'एशियाई विकास आउटलुक' रिपोर्ट में भारत में विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए निम्नलिखित कौन-सा/से सुझाव दिया/दिए है/हैं?

1. भारत को अपनी टैरिफ नीति को सरल बनाना होगा।
2. वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं के साथ अपने एकीकरण को कम करने के लिए प्रयास करने की जरूरत है।

सही उत्तर का चयन कीजिये:

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans:(a)

Q.4 चर्चा में रहे 'एशियाई विकास आउटलुक-अप्रैल 2024' रिपोर्ट किस संस्था द्वारा प्रकाशित की गयी है?

(a) विश्व बैंक द्वारा

(b) ADB द्वारा

(c) विश्व बैंक के एशिया केंद्र द्वारा

(d) IMF द्वारा

Ans: (b)

Q.5 हाल ही में चर्चा में रहे 'एशियाई विकास आउटलुक-2024' रिपोर्ट के अनुसार भारत में वित्त वर्ष 2024-25 में विकास को बढ़ावा देने वाले कारकों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. सरकार द्वारा बुनियादी ढांचे के विकास पर उच्च पूंजीगत व्यय
2. निजी कॉर्पोरेट निवेश में वृद्धि
3. मजबूत सेवा क्षेत्र के प्रदर्शन
4. उत्पादकों के विश्वास में सुधार

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल 1 और 4

(b) केवल 2, 3 और 4

(c) केवल 1, 2 और 3

(d) उपर्युक्त सभी सही हैं।

Ans: (c)